



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 497] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 14, 1990/कार्तिक 23, 1912

No. 497] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 14, 1990/KARTIKA 23, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नवतन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 14 नवम्बर, 1990

सा.का.नि. 901 (अ)- केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38)  
की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग  
करके हुए, निम्नलिखित नामों से द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में शीर्षित

पोर्ट कर्मचारियों (महानगर निगम के लिए अग्रिम अनुदान आदि) का संशोधन विनियम, 1990 का प्रसूचन करती है।

2. इन विनियमों, इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[फा. सं. पी. आर - 12015/7/88-पी. ई.]

अर्थीक: जॉशी संयुक्त सचिव

प्रसूचनी

मेजर पोर्ट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 28 द्वारा प्रवृत्त कर्मचारियों का प्रयोग करते हुए कोचिन पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड स्थापित पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी महान (निर्माण के लिए अग्रिम अनुदान आदि) विनियम, 1971 का संशोधन के लिए, निम्नलिखित विनियम बनती है।

1. इन विनियमों का नाम कोचिन पोर्ट कर्मचारी (महान निर्माण के लिए अग्रिम अनुदान आदि) का संशोधन विनियम, 1979 है।

2. विनियम 2 (1) निम्नलिखित में प्रतिस्थापित किया जाएगा: "कर्मचारी कर्मचारी नहीं है जो अपनी सेवा की श्रेणी में पुष्ट किया हो और अग्रिम कर्मचारी नहीं है जो ऐसे नियमित दर का धारण नहीं करता है और प्रारंभ से ही शर्तों की शर्त पर में अग्र पुष्ट नहीं किया हो"।

3. विनियम 2 के अन्तर्गत अनुदान वोट (2) में निम्नलिखित वाक्य जोड़ा जाएगा:—

"यह इन शर्तों के अनुसार है कि पूर्ण सैनिक लोगों को अपनी सैनिक सेवा के दौरान गृह निर्माण अग्रिम नहीं दिया गया है और गृह निर्माण अग्रिम वाज सहित पुनः सेवा की अवधि में वसूल किया जाएगा"।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 14th November, 1990

G.S.R. 904(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 124, read with sub-section (1) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Cochin Port Employees' (Grant of Advance for building of Houses etc.) Amendment Regulations, 1990 made by the Board of Trustees for the Port of Cochin and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[F. No. PR-12015/7/88-PE.1]

ASHOK JOSHI, Jr. Secy

---

SCHEDULE

---

In exercise of the powers conferred by the Section 28 of the Major Port Trust Act, 1963 (35 of 1963), the Cochin Port Trust Board makes the following Regulations, further to amend the Cochin Port Trust Employees (Grant of Advance for building of Houses etc.) Regulations, 1971.

1. These Regulations may be called the Cochine Port Employees' (Grant of Advance for building of Houses etc.) Amendment Regulations, 1990.
2. Regulation 2(1) shall be substituted by the following :  
"Permanent Employee is an Employee who has been confirmed in the grade of his entry into service and Temporary Employee is an Employee who is not holding a regular post or who has not been confirmed in the post to which he is initially recruited".
3. To the existing Note (2), under Regulation 3, the following words shall be added :—  
"This is subject to the conditions that the ex-serviceman has not drawn House Building Advance during his military service and recovery of House Building Advance with interest is assured during the re-employed period".

